09-03-13 ओम शान्ति अव्यक्त बापदादा मधुबन

"ब्रह्मा बाप समान फरिश्तेपन की स्थिति में रह, अपने खुशमिजाज चेहरे द्वारा सबको खुशी की अनुभूति कराओ, जो व्यर्थ संकल्प रहे हुए हैं, वह बर्थ डे की सौगात बाप को दे दो"

आज बापदादा बच्चों को अपने जन्मदिन की मुबारक दे रहे हैं। हर एक बच्चे के नयनों में बाप के और अपने जन्म की खुशी दिखाई दे रही है। आज की जयन्ती बहुत न्यारी और प्यारी है। यह वन्डरफुल जयन्ती बाप और बच्चों की साथ-साथ है क्योंकि बाप आये तो यज्ञ रचने के लिए आये और यज्ञ में ब्राह्मण ही चाहिए इसलिए बाप और बच्चों की इकट्ठी जयन्ती हुई। यह जयन्ती विश्व परिवर्तन की जयन्ती है। तो बाप बच्चों को प्यार से मुबारक दे रहे हैं क्योंकि यह जयन्ती विश्व परिवर्तन की जयन्ती है। पहले-पहले बच्चों ने बाप के साथ-साथ प्रतिज्ञा ली कि विश्व में जो अंधकार है उसको अंधकार से रोशनी वाला बनाना ही है।

बापदादा हर बच्चे के मस्तक में चमकती हुई लाइट देख रहे हैं। यह लाइट सर्व आत्माओं को भी लाइट बनाए इस विश्व को अंधकार से रोशनी में ला रही है। आज के दिन बापदादा सभी बच्चों से यही चाहते हैं कि हर बच्चा अपने चेहरे से आत्माओं को लाइट बनाए इस जीवन में सदा खुश रहने का सन्देश दे। आज के दिन बापदादा हर एक बच्चे से यही चाहते हैं। हर एक आत्मा को सुख शान्ति की अनुभूति हो, हर एक बच्चा फरिश्ता बन विश्व में भी फरिश्तेपन का अनुभव करावे।

तो आज आप सभी बाप का जन्मदिन मनाने आये हो या अपना भी जन्म दिन मनाने आये हो? क्योंकि बापका वायदा है कि सदा साथ रहेंगे साथ चलेंगे, साथ राज्य में आयेंगे। आज अमृतवेले सभी बच्चों को एक डायमण्ड शब्द सुनाया कि डायमण्ड शब्द है "मेरा बाबा"। यह डायमण्ड शब्द सभी ने नोट किया। कुछ भी हो जाए मेरा बाबा, मीठा बाबा, प्यारा बाबा याद आया तो सब दुःख, सुख में बदल जायेंगे। आज के दिन हर एक बच्चे को बाप के समान फरिश्ते रूप में रहने का श्रेष्ठ संकल्प करना ही है। तो आज खास बाप को बधाई देने आये हो या लेने आये हो? बर्थडे पर सौगात भी दी जाती है। तो बापदादा आज आप सभी बच्चों से कौन सी सौगात लेने चाहते हैं? आज के दिन जो भी व्यर्थ संकल्प रहे हुए हों वह बाप को सौगात में दे दो क्योंकि व्यर्थ संकल्प बहुत टाइम वेस्ट करते हैं। तो यह सौगात दे सकते हो? दे सकते हो! अगर दे सकते हो तो हाथ उठाओ क्योंकि व्यर्थ संकल्प टाइम बहुत वेस्ट करते हैं। खुशी की अनुभूति करने नहीं देते। बाप यही चाहते हैं कि सबके चेहरे सदा ऐसे खुशमिजाज हो जो कोई भी देखे, आपका चेहरा उनको प्रेरणा दे कि हमें भी ऐसा बनना ही है।

तो आज के दिन यह संकल्प करो कि सदा हमारा चेहरा ऐसा फरिश्ते समान दिखाई देगा, जैसे ब्रह्मा बाप का चेहरा देखा। कितनी भी जिम्मेवारी होते सदा चेहरा फरिश्ते रूप में ही देखा। बापदादा यही चाहते हैं कि हर एक बच्चा फरिश्ता रूप बनने के लिए फॉलो ब्रह्मा बाप, कोई भी कर्म करो तो चेक करो ब्रह्मा बाप ने यह कर्म किया? तो आज विशेष ब्रह्मा बाप सभी को डायमण्ड गिफ्ट दे रहे हैं "मेराबाबा", "मीठाबाबा", "प्याराबाबा"। आज के दिन सदा हर कदम फालो ब्रह्मा बाप, सदा चमकता हुआ चेहरा, अभी एक सेकण्ड में अपने को ब्रह्मा बाप समान बेफिक्र बादशाह बना सकते हो? बना सकते हो! अभी सभी अपने को बेफिक्र बादशाह की स्टेज में स्थित करके अनुभव करके देखो। बेफिक्र है कि अभी भी कोई फिक्र है? जिन्होंने बेफिक्र बादशाह का अनुभव किया वह हाथ उठाओ। (सभी ने उठाया) बहुत अच्छा। सभी यही लक्ष्य रखो जो भी कदम उठाओ, फॉलो ब्रह्मा बाप किया? कितनी भी कारोबार हो लेकिन ब्रह्मा बाप सदा ही फरिश्ते रूप में रहा। ब्रह्मा बाप जितनी जिम्मेवारी जैसे ब्रह्मा बाप ने न्यारा और प्यारा होके करके दिखाया। तो आज का दिन क्या इशारा देता है? सदा न्यारा और सर्व का प्यारा।

बापदादा हर बच्चे को आज के दिन की बहुत-बहुत बधाईयाँ दे रहे हैं। आज के दिन सभी श्रेष्ठ संकल्प करो कि जो भी कर्म करेंगे वह कदम ब्रह्मा बाप को फॉलो करेंगे। खुश रहेंगे और खुशी बाँटेंगे। आज बापदादा इस न्यारी और प्यारी जयन्ती की सबको सौगात दे रहे हैं - सदा ब्रह्मा बाप समान फरिश्ता भव। अच्छा।

आज कौन सा जोन आया है? (सेवा का टर्न इन्दौर और भोपाल जोन का है)

इन्दौर जोनः- बापदादा ने देखा कि हर एक जोन अच्छा वृद्धि भी प्राप्त कर रहे हैं और सभी पुरुषार्थ में भी आगे से आगे बढ़ते जा रहे हैं। तो पुरुषार्थ में सफलता की बापदादा सारे जोन को मुबारक दे रहे हैं। ऐसे ही आगे बढ़ते रहेंगे, यह भी बापदादा इनएडवाँस का वरदान दे रहे हैं। अच्छा है, बापदादा बच्चों की हिम्मत पर खुश है। अभी भी बापदादा के स्नेह में आगे बढते रहेंगे। यह भी बापदादा का स्नेह और साथ में वरदान भी है, बढ़ते रहेंगे, बढ़ाते रहेंगे। बापदादा ने देखा कि आजकल हर एक के मन में यह संकल्प रहता है कि हमें आगे से आगे बढ़ना है और बढ़ रहे हैं, उसकी मुबारक। ऐसे है ना! टीचर्स। टीचर्स हाथ उठाओ। वाह! अच्छा है। सदा आपकी हिम्मत से बापदादा की मदद है। अच्छी हिम्मत की है, अच्छे- अच्छे बाप केबच्चों को तैयार किया है और सदा आगे बढ़ाते रहेंगे। बापदादा खुश हैं। देखो, आधा क्लास तो एक जोन दिखाई दे रहा है।

भोपाल जोनः - अच्छा, हिम्मत अच्छी रखी है। बापदादा सभी जोन के आये हुए बच्चों को खास मुबारक दे रहे हैं। दोनों जोन ने हिम्मत अच्छी रखी है। बापदादा देख खुश हैं। अच्छा। यहाँ की हेड हाथ उठाना। बहुत अच्छा बढ़ रहे हैं और बढ़ते रहेंगे। बापदादा हिम्मत पर खुश हैं। सेवा भी बढ़ती जा रही है। उमंग-उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। बापदादा दोनों जोन पर खुश हैं। कमाल करके ही दिखायेंगे। दिखा रहे हैं और दिखायेंगे। खुश हैं बापदादा। अच्छा - टीचर्स हाथ उठाओ। अच्छा झण्डे हिला रहे हैं, हिलाओ। अच्छा लगता है कुछ न कुछ न्यारापन लाते हैं ना तो अच्छा

लगता है। सभी केझण्डे आगे आगे उड़ रहे हैं और उड़ते रहेंगे। अच्छा। पाण्डव भी कम नहीं हैं। पाण्डव हाथ उठाओ। बहुत अच्छा, हिम्मते बच्चे मददे बाप है ही।

70 देशों से डबल विदेशी भाई बहिनें आये हैं:- बापदादा ने डबल विदेशी के बजाए क्या टाइटल दिया है! डबल पुरुषार्थी और रिजल्ट में भी देखा गया कि अभी पुरुषार्थ की तरफ, सेवा की तरफ अटेंशन अच्छा बढ़ रहा है। बापदादा डबल विदेशी बच्चों को देख डबल खुश होता है क्योंकि पहले देखो विदेशी लोग चलने लगे तो कल्चर की तरफ अटेंशन जाता था यह इन्डिया का है यह विदेश का है लेकिन अभी बापदादा ने देखा कि सभी एक ही ब्राह्मण कल्चर में चल रहे हैं और इतना इजी हो के चल रहे हैं जो बापदादा मुबारक देते हैं वाह बच्चे वाह। परिवर्तन में कमाल दिखा रहे हैं और आगे भी दिखाते रहेंगे यह भविष्य भी बापदादा देख रहे हैं। अभी तो कमाल है जो सेवा के प्लैन बापदादा ने देखा, जो मिलके बना रहे हैं, वह बहुत अच्छे बना रहे हैं और बापदादा पुरुषार्थ, प्लैन और रिजल्ट को देखकर बहुत-बहुत-बहुत खुश हैं। बापदादा ने देखा स्वपर और सेवापर दोनों तरफ से अटेन्शन देने के प्रोग्राम्स अच्छे बनाये हैं। बापदादा को सब पता पड़ता है। इसीलिए बाबा विदेशियों को पुरुषार्थ के प्लैन और प्रैक्टिकल में लाने की बहुत-बहुत मुबारक दे रहे हैं। रिजल्ट अच्छी है। दिल पसन्द है। आगे बढ़ाने वाले और आगे बढ़ने वाले दोनों को बापदादा मुबारक दे रहे हैं क्योंकि डबल विदेशियों से मधुबन भी बहुत रिमझिम वाला बन गया है। तो विशेष पुरुषार्थ की और सेवा की दोनों की बापदादा मुबारक दे रहे हैं और आगे बढ़ने का भी देख रहे हैं कि आगे बढ़ते जायेंगे और बढ़ाते जायेंगे।

आज बापदादा को मधुबन निवासी चाहे नीचे, चाहे ऊपर के बहुत याद आ रहे हैं। बापदादा ने देखा कि सभी ने मेहनत मैजारिटी ने दिल से की है। तो दिल से करने वालों को दिलाराम की बहुत-बहुत बधाईयाँ हैं। अच्छा, मधुबन वाले उठो, चाहे नीचे चाहे ऊपर। तो आज विशेष एक-एक मधुबन वाले अनुभव करे कि बापदादा हर एक को नाम से मुबारक दे रहे हैं। आगे भी मुबारक लेते रहेंगे। यह भी बापदादा को बहुत-बहुतउम्मीद है। मुबारक हो, मुबारक हो, मुबारक हो। (दादी जानकी से) मधुबन के तो हैं। यह तो चक्र लगाने अभी जाती हैं बाकी हैं मधुबन निवासी। अच्छा है। बापदादा ने देखा तीनों दादियां बहुत अच्छी अटेन्शन की सेवा में चल रही हैं लेकिन चल क्या रही हैं, दौड़ रही हैं। एक-एक पाण्डव, एक-एक बहन अपने लिए खास मुबारक स्वीकार करना। साथ में जो सेवा के निमित्त बनी हुई हैं, उन्हों को भी बापदादा विशेष मुबारक के साथ प्यार भी दे रहे हैं। मधुबन, मधुबन है। देखो कितने अच्छे- अच्छे सर्विसएबुल हैं। बापदादा खुश हैं। कोई-कोई बातें तो हो जाती हैं लेकिन टोटल रिजल्ट अच्छी है और अच्छे ते अच्छी रहेगी। ठीक है ना। मधुबन वाले कहते हैं बापदादा हमको नहीं देखते हैं, आज तो देखा। दिल से देखते रहते हैं। अच्छा। आज के बर्थ डे की सभी को बधाईयाँ हो बधाईयाँ हो। फ़ॉरेन वालों को भी बधाईयाँ हैं। बापदादा रोज देखता रहता है लेकिन बहुत हो जाते हैं ना इसलिए दृष्टि से देखते रहते हैं। अच्छी सेवा कर रहे हैं। बापदादा ने देखा भण्डारा बहुत अच्छा है। अच्छा बनाया है, मुबारक हो। निर्वेर को मुबारकहो। साथियों को भी मुबारक हो। जो निमित्त बने उन सब को मुबारक हो। बापदादा ने देखा मेहनत अच्छी की। जमाने के हिसाब से सैलवेशन अच्छी लगी। तो आज बापदादा जो भी सभा में बैठे हैं, कहाँ के भी हों सबको एक-एक को खास मुबारक दे रहे हैं। और दोनों जोन को, हैं छोटे लेकिन ताकत वाले हैं। कमाल अच्छी कर रहे हैं। बापदादा दोनों जोन से खुश हैं और खुश सदा रहेंगे।

(निर्वेर भाई ने सुनाया, पीस आफ माइन्ड चैनल में सब आपको देख रहे हैं) बहुत अच्छा। तबियत ठीक है। अच्छा आगे बढ़ रहे हैं, बढ़ते रहेंगे।

देखो बापदादा हर एक से गुडमार्निंग भी करते गुडनाइट भी करते। सिर्फ बाहर से नहीं करते दिल से करते हैं। कोई भी बच्चा ऐसा नहीं जिसका बाप से प्यार नहीं हो और बाप का भी हर एक बच्चे से प्यार है। चाहे थोडा ढीला भी हो जाते हैं लेकिन फिर भी थोड़ा यहाँ वहां हो के ठीक हो जाते हैं, प्यार अच्छा है। बापदादा देखते हैं कि बापदादा से प्यार सबका बहुत दिल का है इसीलिए वह चला रहा है और चलाता रहेगा। एक-एक को बापदादा याद करता, ऐसे नहीं नाम नहीं लेता, लेकिन एक-एक चाहे मधुबन में हैं, चाहे अपने-अपने जोन में हैं, बाप को देरी थोड़े ही लगती है, सबको प्यार करने में देर नहीं लगती इसलिए सब अनुभव करना, गुडनाइट सभी से बापदादा करते हैं। आप करो नहीं करो लेकिन बापदादा जरूर करते हैं। बाप का प्यार है ना! बापदादा कुछ भी हो जाए लेकिन रात को सभी बच्चों के तरफ चक्कर लगाता है। चक्कर लगाने में बापदादा को कितना टाइम लगता। बहुत जल्दी लगाता है। फरिश्ते रूप में हैं ना। तो आप हर एक समझना बापदादा गुडनाइट भी करता गुडमॉर्निंग भी करता है। आप करो नहीं करो, बापदादा जरूर करता है। अच्छा।

मधुबन वाले हाथ उठाओ। मधुबन वालों का उल्हना तो नहीं रहा ना। बापदादा याद जरूर करते हैं। और इतनी को, कितने भी आये लेकिन सम्भाला तो है ना। हर एक को चाहे फॉरेन के हैं चाहे इन्हिया के हैं, जो भी हैं, बापदादा बच्चोंको याद करने के बिना नहीं रह सकता। तो आज के बर्थ डे शिव जयन्ती की बहुत-बहुत-बहुत बधाई हो, बधाई हो।

अभी बापदादा 5 मिनट एक-एक बच्चा पावरफुल याद में बैठ जाये, कोई संकल्प नहीं। अच्छा। रोज ऐसे बीच-बीच में 5 मिनट बिल्कुल अशरीरीपन का अनुभव करते चलो क्योंकि समय आगे बहुत नाजुक आने वाला है, ऐसे टाइम पर अगर अभ्यास नहीं होगा, कंट्रोलिंग पावर नहीं होगी तो सक्सेस नहीं हो सकेंगे इसलिए बीच-बीच में दो मिनट, एक मिनट, 5 मिनट अशरीरी बनने का अभ्यास अपने दिनचर्या के प्रमाण अवश्य करते चलो कंट्रोलिंग पावर। सभी आसपास वाले, देश वाले, विदेश वाले बापदादा भी देख रहे हैं इस समय सभी का अटेंशन मैजारिटी का मधुबन में हैं। तो रोज अपनी प्रैक्टिस करते रहना। ऐसा समय आयेगा जो यह प्रैक्टिस बहुत-बहुत आवश्यक लगेगी इसलिए अपने समय प्रमाण अशरीरी बनने का अभ्यास जरूर करो।

चारों ओर के बच्चों को जो जहाँ हैं वहाँ बापदादा सम्मुख सभी को यादप्यार दे रहे हैं। मुबारक, मुबारक, मुबारक। अच्छा।

मोहिनी बहन:- मुबारक है। अपने को चलाने की प्रैक्टिस हो गई है इसलिए अच्छा है। अच्छा इनको सम्भालने वाली अच्छी है। सेवा अच्छी कर रही है। अच्छा है, बहुत अच्छा है। सेवा कर रहे हैं मेवा खा रहे हैं। अच्छा।

(बृजमोहन भाई ने दिल्ली से बहुत याद दी है, वहाँ जो मेला लगाया है उसके फोटो भेजे हैं जो बापदादा को दिखाये)

निर्वैर भाई:- सभी तीनों ही भाई अच्छे हैं और आपके साथी भी सब अच्छे हैं।

रमेश भाई से:- तबियत ठीक है, बॉम्बे का प्रोग्राम अच्छा रहा। तबियत को सम्भालकर अच्छा चला रहे हो। अच्छा है।

भूपाल भाई से:- कदम कदम पर बाप का साथ है। बहुत अच्छा।

विदेश की बड़ी बहनों से:- आप लोगों से रौनक है लेकिन इतने सब आ गये तो आपकी आकर्षण उन्हों को खींच कर लाई है फिर भी निमित्त वालों का होता है। अच्छी सेवा चल रही है मुबारक हो।

शान्ति बहन अमेरिका में ठीक पहुंच गई है:- ठीक हो जायेगी।

(मुरली दादा हास्पिटल में है) उनको कोई फल भेज देना।

परदादी भी हास्पिटलमें है, जब तक चले अच्छा है। बापदादा तो देखते रहते हैं। (जो भी बीमार है सबको फल भेजना) (ग्लोबल हास्पिटल की डा. विनय लक्ष्मी बहन ने आज शरीर छोड़ा है) उस आत्मा की भी याद पहुंची है।

बापदादा ने अपना ध्वज अपने हस्तों से फहराया और सब बच्चों को बधाई दी

आप सबके तो दिल में बापदादा बैठा है। सदा साथ है, वह दिन भी आयेगा जो बाप का झण्डा हर एक अनुभव करेगा कि यह मेरा बाप है। सबके मुख से निकलेगा, मेरा बाप मीठा बाप, प्यारा बाप आ गया। बहुत अच्छा सभी ने अपने दिल में झण्डा लहराया ही है। बापदादा एक-एक बच्चे को देख रहे हैं, ऐसे नहीं हम पीछे बैठे हैं, कोने में बैठे हैं, बापदादा देख रहा है और हर एक को बहुत दिल का प्यार दे रहा है। चाहे लास्ट हैं चाहे यहाँ हैं। बाप के लाडले हो ना! ठीक है ना! मधुबन वाले नजदीक हैं। आज मधुबन वाले बहुत उड़ रहे हैं। देखो यह सब। अच्छा।

ओम् शान्ति।